दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-३२२ वा | सोमवार २३ जून २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

अमेरिका कि फिर बकवास ; महिलाओं को भारत में अकेले यात्रा न करने की सलाह

बलात्कार के मामलों में बढ़ोतरी को बताया मुख्य कारण ।

नई दिल्ली, २२

अमेरिका सरकार ने भारत आने वाली अपनी महिला नागरिकों को लेकर एक अहम चेतावनी जारी की है। इस चेतावनी में अमेरिकी महिलाओ से कहा गया है कि वे भारत की यात्रा अकेले न करें और यदि आवश्यक हो, तो अधिकतम सतर्कता के साथ यात्रा करें। इस निर्णय के पीछे भारत में बलात्कार और यौन उत्पीड़न के मामलों में हो रही चिंताजनक वृद्धि को कारण बताया गया है।

सुरक्षा एजेंसियों की रिपोर्ट पर आधारित चेतावनी

अमेरिकी विदेश मंत्रालय की ओर से जारी इस सुरक्षा चेतावनी में कहा गया है कि हाल के वर्षों में भारत में महिला यात्रियों के खिलाफ अपराध, विशेष रूप से यौन हिंसा की घटनाएं बढ़ी हैं। स्वतंत्र रूप से यात्रा करने वाली महिलाओं को विशेष रूप से सतर्क रहने और अकेले यात्रा से बचने की सलाह दी गई है।

टूरिस्ट, शोधकर्ता और व्यवसायिक यात्राएं भी राडार पर

चेतावनी में कहा गया है कि पर्यटन, अकादमिक शोध या व्यापारिक उद्देश्यों से भारत आने वाली अमेरिकी महिलाएं यदि अकेली यात्रा कर रही हैं, तो वे संभावित जोखिम में हो सकती हैं। इसीलिए उन्हें समूह में यात्रा करने, भरोसेमंद आवास की व्यवस्था करने और स्थानीय संपर्क बनाए रखने की सिफारिश की गई है।

भारत की छवि पर असर और संभावित कूटनीतिक प्रतिक्रिया

इस चेतावनी के बाद भारत में विभिन्न स्तरों पर प्रतिक्रियाएं आने की संभावना है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि प्रभावित हो सकती है, विशेष रूप से पर्यटन उद्योग पर इसका नकारात्मक असर पड़ सकता है। भारत सरकार की ओर से इस चेतावनी पर कोई आधिकारिक बयान अब तक सामने नहीं आया है, लेकिन सूत्रों के अनुसार विदेश मंत्रालय इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार कर रहा है।

पूर्व चेतावनियों की पुनरावृत्ति

गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है जब अमेरिका या पश्चिमी देशों ने भारत में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की है। इससे पहले भी ऐसी चेतावनियां जारी हो चुकी हैं, लेकिन इस बार इसे विशेष रूप से बलात्कार के मामलों में हालिया वृद्धि से जोड़ा गया है।

यात्रियों को दी गई सलाह

अमेरिकी सरकार ने अपने नागरिकों से कहा है कि वे यात्रा से पहले भारत की स्थानीय परिस्थितियों की जानकारी प्राप्त करें, विश्वसनीय यात्रा एजेंसियों की मदद लें, तथा स्थानीय प्रशासन से पंजीकरण कराना सुनिश्चित करें।

महाराष्ट्र स्काउट-गाइड संस्था के लिए चार सदस्यीय नई समिति नियुक्त-विधायक विजयसिंह पंडित को मिली महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

बीड संवाददाता

महाराष्ट्र राज्य भारत स्काउट्स और गाइड्स संस्था के प्रशासनिक कार्यो के संचालन और चुनाव प्रक्रिया को संपन्न कराने के लिए राज्य सरकार ने एक चार सदस्यीय तदर्थ समिति (एड-हॉक कमेटी) का गठन किया है। इस समिति में बीड जिले के गेवराई के विधायक श्री विजयसिंह पंडित को शामिल किया गया है।

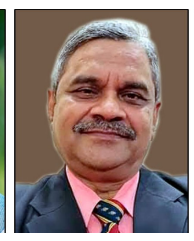

पिछले पांच वर्षो से महाराष्ट्र में स्काउट-गाइड संस्थाओं का कामकाज पूरी तरह ठप्प पड़ा था। वर्षो तक सेवाभाव से कार्य करने वाले पदाधिकारियों को अलग कर प्रशासनिक अधिकारियों ने संस्था पर नियंत्रण कर लिया था। इस अवधि में राज्य स्तरीय स्काउट-गाइड मेळावे, जिला स्तर की गतिविधियाँ और पुरस्कार रैली तक आयोजित नहीं हो सकीं। विभागीय कार्यालय भी बंद कर दिए गए, जिससे ज़मीनी स्तर पर निगरानी में भारी कमी आई।

हालांकि, छात्रों के लिए यूनिट पंजीकरण अच्छी संख्या में हुआ, लेकिन प्रशिक्षण की गुणवत्ता में गिरावट दर्ज की गई। विद्यार्थियों को वितरित किए गए स्काउट-गाइड गणवेश अधूरे और बेहद घटिया गुणवत्ता के पाए गए। सरकार द्वारा इसके लिए आवंटित ५० करोड़ रुपये की राशि भी पूरी तरह खर्च नहीं हो सकी।

स्थिति को गंभीरता से लेते हुए, स्काउट-गाइड के पूर्व पदाधिकारियों ने विधायक विजयसिंह पंडित के नेतृत्व में उपमुख्यमंत्री अजित पवार और खेल मंत्री दत्तात्रेय भरणे से पिछले महीने मुलाकात की थी। इस दौरान उपमुख्यमंत्री ने स्काउट-गाइड संस्था की गतिविधियों को पुनर्जीवित करने हेतु एक तदर्थ समिति गठित करने का आश्वासन दिया था।

सरकार ने अब इस चार सदस्यीय समिति की घोषणा की है, जिसमें विधायक विजयसिंह पंडित, अधिवक्ता विशाल पाटील, राजकुमार कौशिक और खेल विभाग के सहायक संचालक मिलिंद दीक्षित को नियुक्त किया गया है।

यह समिति आगामी दिनों में राज्य के सभी जिलों में स्काउट-गाइड जिला मंडलों की स्थापना करेगी और आगामी छह महीनों के भीतर संस्था के चुनाव भी संपन्न कराएगी। इस कदम से स्काउट-गाइड की गतिविधियों को पुनः गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

ईरान का इज़राइल पर 'चालबाज' मिसाइल हमला: हाइफा में बिना सायरन के भीषण तबाही

तेल अवीव/हाइफा, २२ जून २०२५ । विशेष प्रतिनिधि

ईरान ने रविवार को इज़राइल के विभिन्न शहरों पर एक बड़े मिसाइल हमले की कार्रवाई को अंजाम दिया, जिसमें उत्तरी इज़राइल का हाइफा शहर सबसे अधिक प्रभावित हुआ। खास ये रही कि हाइफा में हमला होने के बावजूद सायरन नहीं बजे, जिससे लोगों को चेतावनी नहीं मिल सकी और भारी नुकसान दर्ज किया गया।

हमले की मुख्य बातें:

ईरान ने दो चरणों में कुल २७ मिसाइलें दागीं, जिनमें कई टेल अवीव, हाइफा और अन्य इलाकों में गिरीं।

हाइफा शहर में सायरन नहीं बजा, जिसके चलते हमले से पहले कोई चेतावनी नहीं मिली। ८६ लोग घायल हुए, जिनमें दो की हालत गंभीर बताई गई है।

मिसाइलें तेल रिफाइनरी, आवासीय भवनों, और औद्योगिक प्रतिष्ठानों को निशाना बनाते हुए भारी तबाही मचाने में सफल रहीं। हाइफा में सायरन विफलता पर जांच शुरू: इज़राइली रक्षा मंत्रालय ने पुष्टि की है कि सायरन सिस्टम की विफलता को लेकर आंतरिक जांच शुरू कर दी गई है। गृह मोर्चा कमांड ने कहा है कि यह एक गंभीर तकनीकी चूक हो सकती है। ईरान ने क्यों किया हमला? यह हमला अमेरिका द्वारा ईरान के परमाणु ठिकानों पर किए गए ओवरव्हेल्मिंग' हमलों के जवाब में किया गया है। ईरान ने इस हमले को बदले की कार्रवाई बताया है और भविष्य में और हमलों की चेतावनी दी है।

स्थिति गंभीर: इज़राइल की सेना ने पूरे देश में अलर्ट जारी कर दिया है और नागरिकों से अपील की है कि वे बंकरों में रहें। अमेरिका और अन्य वैश्विक शक्तियों की निगाहें अब इस संघर्ष पर केंद्रित हो गई हैं।

जंगली सूअर के हमले में किसान की मौत, ग्रामीणों में आक्रोश

रिपोर्ट: किल्ले धारूर, २२ जून । प्रतिनिधि

धारूर तहसील के रुई धारूर गांव में रविवार सुबह एक दर्दनाक घटना में ५७ वर्षीय किसान प्रकाश गोविंदराव तिडके की जंगली सूअरों के हमले में मौत हो गई। इस हादसे के बाद पूरे गांव और आसपास के इलाके में शोक की लहर फैल गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रकाश तिडके एक प्रतिष्ठित किसान थे। रविवार की सुबह करीब ५ बजे वे रोज़ की तरह अपने खेत में दूध लाने के लिए दोपहिया वाहन से निकले थे। गांव के पास स्थित एक ओढे (नाले) के समीप चार से पाँच जंगली सूअरों के झुंड ने अचानक उन पर हमला कर दिया।

इस हमले में वे सड़क पर गिर पड़े और उनके सिर पर गंभीर चोटें आईं। उन्हें तुरंत लातूर के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

गौरतलब है कि इसी मार्ग पर पहले भी जंगली सूअरों की उपस्थिति के कारण हादसे हो चुके हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से बार-बार जंगली जानवरों की बढ़ती समस्या पर ध्यान देने और आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। इस घटना के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश है और वन विभाग से ठोस उपायों की मांग तेज़ हो गई है।

ईरान का बड़ा कदम: हॉर्मुज जलडमरूमध्य (संमदरी वाहतुक मार्ग)को बंद करने की संसदीय मंजूरी, दुनिया में मचा हड़कंप - तेल की कीमतों में उछाल की आशंका

तेहरान एजेंसी

ईरानी संसद (मजलिस) ने रविवार को एक ऐतिहासिक और विस्फोटक निर्णय लेते हुए हॉर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने का प्रस्ताव पारित किया है। यह कदम अमेरिका द्वारा ईरान पर हाल ही में किए गए हमलों के जवाब में उठाया गया है। हालांकि, इस प्रस्ताव को अंतिम स्वीकृति देश की सर्वोच्च सुरक्षा परिषद (Supreme National Security Council) से लेनी होगी।

क्या है हॉर्मुज जलडमरूमध्य और क्यों है इतना अहम?

हॉर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के कुल तेल व्यापार का लगभग २०-२५% हिस्सा अकेले समेटे हुए है। यह खाड़ी देशों जैसे सऊदी अरब, कुवैत, इराक, और यूएई से

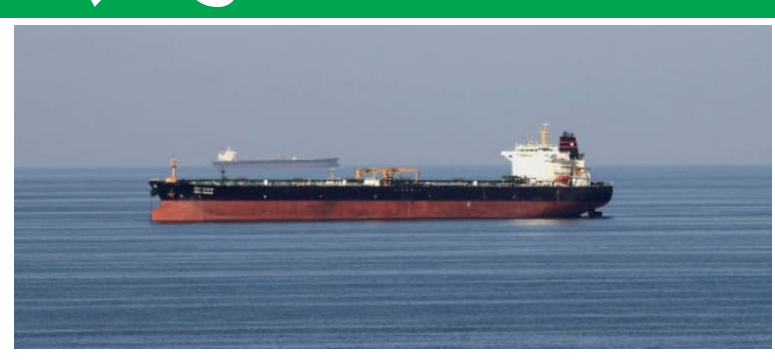

निकलने वाले कच्चे तेल की सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है।

यदि इसे बंद किया जाता है, तो दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति पर भयानक असर पड़ेगा, और इससे वैश्विक तेल की कीमतों में भारी उछाल आ सकता है।

तेल की कीमतें पहले ही बढ़ने लगीं

ईरान की इस घोषणा के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमतें ७-१४% तक बढ़ चुकी हैं। विशेषज्ञों के अनुसार अगर हॉर्मुज बंद होता है, तो कीमतें १०० डॉलर प्रति बैरल से ऊपर जा सकती हैं, जिससे वैश्विक महंगाई और आर्थिक मंदी का खतरा बढ़ेगा। अमेरिका और पश्चिमी देशों की प्रतिक्रिया अमेरिका के सीनेटर मार्को रूबियो ने चीन से अपील की है कि वह ईरान पर दबाव डाले ताकि वह इस आर्थिक आत्मघात जैसे कदम से पीछे हटे। अमेरिकी विदेश विभाग ने भी चेतावनी दी है कि यदि हॉर्मुज को अवरुद्ध किया गया तो अमेरिका और उसके सहयोगी हरसंभव प्रतिक्रिया देंगे।

राजनीतिक और सैन्य तनाव चरम पर

ईरान के कट्टरपंथी सांसदों का कहना है कि यह कदम ज़रूरी था ताकि अमेरिका और इज़राइल को एक स्पष्ट संदेश दिया जा सके। वहीं, क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी और फ्रांसीसी नौसैनिक जहाज पहले से ही हाई अलर्ट पर हैं।

आगे क्या होगा?

सर्वोच्च सुरक्षा परिषद की मंजूरी: हॉर्मुज

को वास्तव में बंद करने से पहले ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद को इसकी अंतिम मंजूरी देनी होगी।

अंतरराष्ट्रीय राजनयिक प्रयास: णछ, रूस और चीन समेत कई देश इस संकट को टालने के लिए कूटनीतिक प्रयास कर रहे हैं।

तेल संकट का खतरा: भारत, यूरोप और एशिया के कई देश पहले से ही वैकल्पिक आपूर्ति मार्गो और रणनीतिक भंडार की समीक्षा कर रहे हैं। ईरानी संसद का यह फैसला न सिर्फ पश्चिम एशिया बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक गंभीर चेतावनी है। हॉर्मुज की संभावित बंदी से तेल संकट, वैश्विक आर्थिक अस्थिरता और युद्ध जैसे हालात उत्पन्न हो सकते हैं। अब सबकी नजर ईरान की सर्वोच्च सुरक्षा परिषद के अगले कदम और अमेरिका सहित वैश्विक शक्तियों की प्रतिक्रियाओं पर टिकी है।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

मुंबई में दो दिवसीय राष्ट्रीय परिषद का आयोजन-लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला व राज्यसभा के उपसभापति रहेंगे उपस्थित

रिपोर्ट: जमीर काज़ी । मुंबई

भारत की संसद की अनुमान समिति (एस्टिमेट्स कमेटी) के कार्यारंभ के अमृत महोत्सव वर्ष के उपलक्ष्य में एक महत्वपूर्ण दो दिवसीय राष्ट्रीय परिषद का आयोजन मुंबई में किया गया है। यह परिषद २३ और २४ जून को महाराष्ट्र विधान भवन में संपन्न होगी।

इस परिषद में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश सिंह, राज्यपाल सी. पी. राधाकृष्णन, विधान परिषद के सभापति प्रो. राम शिंदे, विधानसभा अध्यक्ष एड. राहुल नार्वेकर, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजित पवार, विधान परिषद की उपसभापति डॉ. नीलम गोऱ्हे, विधानसभा के उपाध्यक्ष अण्णा बनसोडे, विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे, लोकसभा की अनुमान समिति के प्रमुख डॉ. संजय जयसवाल और महाराष्ट्र विधानमंडल की अनुमान समिति के अध्यक्ष अर्जुन खोतकर प्रमुख रूप से उपस्थित रहेंगे।

परिषद के समापन के पश्चात २४ जून को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला एक पत्रकार वार्ता को संबोधित करेंगे। इस राष्ट्रीय परिषद का मुख्य विषय है: प्रशासनिक कार्यों को अधिक कुशलता और न्यूनतम खर्च में संपन्न करने हेतु बजट अनुमान की पुनर्समीक्षा और प्रभावी नियंत्रण में अनुमान समितियों की भूमिका। इस विषय पर गहन विचार-विमर्श और अनुभव साझा किए जाएंगे।

परिषद में संसद सहित देश के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की अनुमान समितियों के अध्यक्ष एवं सदस्य भाग लेंगे। इसके अतिरिक्त महाराष्ट्र विधानमंडल के दोनों सदनों के सभी सदस्य एवं महाराष्ट्र के संसद सदस्य भी परिषद में उपस्थित रहेंगे।

धारूर घाट में कार ३०० फीट गहरी खाई में गिरी, दो सगे भाई गंभीर रूप से घायल

रिपोर्ट: किल्ले धारूर, २२ जून । प्रतिनिधि

धारूर घाट एक बार फिर दर्दनाक सड़क हादसे का गवाह बना। रविवार (२२ जून) सुबह करीब ९ बजे धारूर से माजलगांव की ओर जा रही एक कार ३०० फीट गहरी खाई में गिर गई। इस हादसे में कार में सवार दो सगे भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें धारूर ग्रामीण अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद बीड के शासकीय अस्पताल में रेफर किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, हादसा घाट के संकरे रास्ते और क्षतिग्रस्त सुरक्षा दीवार के कारण हुआ। हुंडई कंपनी की कार (चक२२ -थ २३६३) का नियंत्रण चालक से अचानक छूट गया, जिससे वह सीधे गहरी खाई में जा गिरी।

हादसे में गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों की पहचान भीमराव पायाळ (उम्र ५८ वर्ष) और संदीप पायाळ (उम्र ५६ वर्ष) के रूप में हुई है, जो आपस में सगे भाई हैं। दोनों को ग्रामीण अस्पताल धारूर में प्राथमिक उपचार के बाद बीड के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घाट का संकरा रास्ता और कमजोर सुरक्षा दीवार बना हादसों का कारण

धारूर घाट को स्थानीय लोग 'अपघाताचा माहेरघर' यानी 'हादसों का घर' कहते हैं। यहां लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं। नागरिक, यात्रियों और जनप्रतिनिधियों द्वारा लंबे समय से इस सड़क की मरम्मत और सुधार की मांग की जा रही है। घाट की संकरी चढ़ाई और निष्क्रिय हो चुकी सुरक्षा दीवार के चलते हादसों की संख्या में तेजी से इज़ाफा हुआ है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से तुरंत प्रभावी कदम उठाने और सड़क को सुरक्षित बनाने की मांग की है।

पालखी से सड़क जाम होती है, लेकिन कोई मुस्लिम शिकायत नहीं करता - अबू आज़मी का बयान फिर विवादों में

रिपोर्ट: जमीर काज़ी । मुंबई

समाजवादी पार्टी के महाराष्ट्र प्रदेशाध्यक्ष और विधायक अबू आज़मी एक बार फिर अपने बयान को लेकर चर्चा में आ गए हैं। पंढरपुर वारी के दौरान निकलने वाली पालखी यात्राओं के कारण सड़कें जाम हो जाती हैं, लेकिन इसके बावजूद मुस्लिम समाज की ओर से कोई शिकायत नहीं की जाती, बल्कि वे हिंदू भाईयों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलते हैं - ऐसा बयान देते हुए अबू आज़मी ने नमाज़ को लेकर किए जाने वाले विरोध पर नाराज़गी व्यक्त की है।

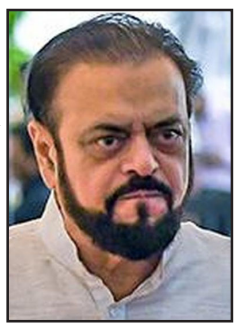

नमाज़ को लेकर विरोध पर जताई नाराज़गी

आषाढ़ी एकादशी के अवसर पर पंढरपुर दर्शन के लिए वारकऱ्यों की भारी भीड़ जुटती है। इसी संदर्भ में अबू आज़मी ने कहा, मैं परसों पुणे से लौट रहा था। मुझे बताया गया कि पालखी यात्रा निकलने वाली है, इसलिए जल्दी निकलें। ऐसे मौकों पर सड़कें जाम होती हैं, लेकिन मुस्लिम समाज में से कोई शिकायत नहीं करता। परंतु जब कुछ मस्जिदों में भीड़ अधिक होने के कारण कुछ मिनटों के लिए सड़क पर नमाज़ अदा की जाती है, तो जानबूझकर इसका विरोध किया जाता है। उत्तर प्रदेश सरकार ने तो पासपोर्ट रद्द करने तक की धमकी दी थी।

उन्होंने सवाल उठाया कि, क्या कभी किसी मुस्लिम ने हिंदू त्योहारों के दौरान रास्ता बंद होने की शिकायत की? उल्टा वे उनके साथ खड़े रहते हैं।

हिंदूवादी संगठनों की तीखी प्रतिक्रिया

अबू आज़मी के इस बयान पर कुछ हिंदूवादी संगठनों और नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर विवाद और गहराने की संभावना जताई जा रही है।

मराठी का सम्मान ज़रूरी, लेकिन हिंदी का अपमान नहीं होना चाहिए - अबू आज़मी

हाल ही में स्कूलों में पहली कक्षा से हिंदी अनिवार्य करने को लेकर चल रहे विवाद पर भी अबू आज़मी ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा,

सिर्फ लोकप्रियता के लिए बयान - मुख्यमंत्री फडणवीस की प्रतिक्रिया

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अबू आज़मी के बयान को लेकर प्रतिक्रिया देते हुए कहा,

कुछ लोग सिर्फ प्रसिद्धि पाने के लिए इस तरह के बयान देते हैं। ऐसे बयानों को महत्व नहीं देना चाहिए। सरकार अबू आज़मी के बयान को गंभीरता से नहीं लेती। इस तरह, एक बार फिर अबू आज़मी के बयान ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है।

ईरान पर अमेरिकी हमले के बाद ओवैसी का तंज-क्या ट्रंप को अब भी नोबेल मिलना चाहिए?

नई दिल्ली । २२ जून २०२५

ईरान पर अमेरिकी हमले के बाद राजनीतिक हलकों में प्रतिक्रियाओं का दौर जारी है। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM²) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने इस मुद्दे पर तीखा बयान देते हुए पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पाकिस्तान दोनों को निशाने पर लिया है।

ओवैसी ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, क्या ट्रंप को अब भी नोबेल शांति पुरस्कार मिलना चाहिए? उन्होंने कहा कि ईरान पर हमला वैश्विक शांति के लिए गंभीर खतरा है और अमेरिका की यह कार्रवाई पूरी दुनिया को अस्थिर कर सकती है।

उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान को भी इस मुद्दे पर अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए, क्योंकि हमेशा मुस्लिम देशों के मामलों में वह नेता बनने का दावा करता है, लेकिन जब ईरान जैसे देश पर हमला होता है, तो वह खामोश रहता है।

ओवैसी का यह बयान उस समय आया है जब ईरान और अमेरिका के बीच तनाव चरम पर है और पश्चिम एशिया में युद्ध जैसे हालात बनते जा रहे हैं। ओवैसी ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भी अपील की कि वह अमेरिका की इस कार्रवाई की खुलकर आलोचना करे और क्षेत्रीय शांति बहाल करने के लिए ठोस कदम उठाए।

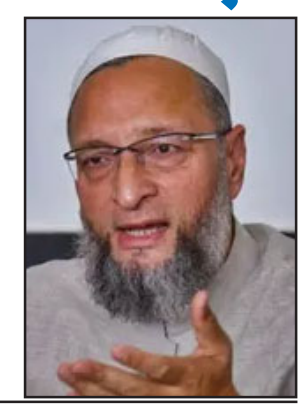

इंटरनेट यूज़र्स रहें सतर्क: १६ अरब लॉगइन डिटेल्स हैकरों के हाथ लगीं, तुरंत उठाएं ये कदम

नई दिल्ली । २२ जून २०२५

दुनियाभर के इंटरनेट उपयोगकर्ताओं के लिए एक बड़ी चेतावनी सामने आई है। रिपोर्ट्स के अनुसार करीब १६ अरब

लॉगइन डिटेल्स - यानी ईमेल आईडी और पासवर्ड - हैकर्स के हाथ लग चुकी हैं, जिससे करोड़ों लोगों की ऑनलाइन सुरक्षा पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है।

साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि यह अब तक का सबसे बड़ा डेटा लीक हो सकता है। यह जानकारी डार्क वेब पर बेची जा रही है और इसका उपयोग बैंक खातों, सोशल मीडिया, ईमेल और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म्स में अवैध रूप से प्रवेश के लिए किया जा सकता है।

विशेषज्ञों की सलाह:

अपना पासवर्ड तुरंत बदलें

टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन (2F-) सक्रिय करें

किसी भी संदिग्ध ईमेल या लिंक पर क्लिक न करें

अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से बचें

साइबर सुरक्षा एजेंसियों ने उपयोगकर्ताओं को चेतावनी दी है कि वे अपनी ऑनलाइन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तुरंत आवश्यक कदम उठाएं, अन्यथा उन्हें आर्थिक और निजी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

याद रखें, डिजिटल युग में सतर्कता ही सुरक्षा है।

नेकनूर सर्कल में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी असंगठित कामगार विभाग के पदाधिकारियों की नियुक्ति एवं पक्ष प्रवेश कार्यक्रम संपन्न

नेकनूर संवाददाता

दिनांक २२ जून २०२५ को नेकनूर सर्कल में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी असंगठित कामगार विभाग की ओर से पद नियुक्ति पत्र वितरण एवं पक्ष प्रवेश कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर असंगठित कामगार विभाग के जिलाध्यक्ष अलीम पटेल, बीड नगर परिषद के गटनेता फारूक पटेल, राष्ट्रवादी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नारायण बप्पा शिंदे, ग्राम पंचायत नेकनूर के सरपंच सुंदर लांडगे, ग्राम पंचायत सदस्य शिवाजी शिंदे, सलीम पाशा, पत्रकार खालिद भाई, असंगठित कामगार विभाग के उपाध्यक्ष चंद्रकांत काळे, अबरार कागज़ी, सचिव सोमनाथ पांडरे समेत अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम में जफर पाशा जागीरदार को नेकनूर सर्कल का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। अन्य प्रमुख नियुक्तियों में उपाध्यक्ष के रूप में शेख खादिर भाई, कैलास सालुजी शेटे, सचिव शेख उमर, शेख खमर, श्रवण लहू गालफाड़े, सहसचिव जमीर हबीब, शेख सय्यद इरफान जब्बार, संघटक हारून अली, सय्यद शेख जफर, फतेह मोहम्मद, तथा सदस्य पदों पर शेख आवेश, यूनुस शाहेद, हबीब सय्यद, शेख वाशेद, शौकत शेख, इसाकोद्दीन, खियामोद्दीन, सोहिल अनवर शेख, और शेख मिनहाज मुनीर की नियुक्ति की गई।

कार्यक्रम उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ और स्थानीय स्तर पर कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ।

बीड ज़िले के राष्ट्रीय महामार्गों पर हादसों की भयावह स्थिति - ५ महीने में १५७ मौत, श्रेय लेने वालों को लेनी चाहिए ज़िम्मेदारी: डॉ. गणेश धवले

बीड, २२ जून । विशेष प्रतिनिधि रिपोर्ट

बीड ज़िले में राष्ट्रीय महामार्गों की बदहाल स्थिति पर सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. गणेश धवले ने गहरी नाराजगी जताते हुए कहा है कि जिन नेताओं ने सड़कों की मंजूरी का श्रेय लेने के लिए अख़बारों में बयानबाज़ी की है, उन्हें ही इन घातक हादसों की ज़िम्मेदारी भी लेनी चाहिए। डॉ. धवले ने कहा कि केवल फोटो सेशन और पत्रकबाज़ी से ज़मीनी हालात नहीं सुधरते, और जब हादसे होते रहे तब ये जनप्रतिनिधि मौन क्यों रहे?

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वर्ष २०२४ में बीड ज़िले के राष्ट्रीय महामार्गों पर ४५९ लोगों की मौत और ३९७ गंभीर घायल हुए। वहीं जनवरी २०२५ से मई २०२५ तक केवल ५ महीनों में २५९ हादसों में १५७ लोगों की जान चली गई और १०२ गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इन दुर्घटनाओं के पीछे प्रमुख कारणों में खराब गुणवत्ता की सड़कें, अधूरी निर्माण प्रक्रियाएं, गति अवरोधकों की कमी, संकेतक बोर्डों का न होना और सुरक्षा जागरूकता के नाम पर सिर्फ औपचारिक कार्यक्रम शामिल हैं।

भारत सरकार के सड़क परिवहन मंत्रालय ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के निर्देश पर बीड ज़िले के दो मार्गों के लिए ४२१ करोड़ रुपये की योजनाओं को २०२५-२६ की वार्षिक योजना में मंजूरी दी है। इसमें लातूर से लोखंडी सावरगांव

तक के १८ किलोमीटर हिस्से और माजलगांव से केज मार्ग पर धारूर घाट का चौड़ीकरण शामिल है।

हालांकि, पूर्व सांसद प्रीतम मुण्डे और वर्तमान सांसद बजरंग सोनवणे द्वारा इसे लेकर खुलेआम श्रेय लेने की प्रतिस्पर्धा शुरू हो चुकी है, लेकिन ज़मीनी हक़ीक़त यह है कि हादसों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

बीड ज़िले के राष्ट्रीय महामार्गों पर ४० ब्लैक स्पॉट चिन्हित किए गए हैं, जहां बार-बार गंभीर हादसे होते हैं। इन स्थानों में सिरसाळा, नित्रुड, सायगांव (ता. आंबेजोगाई), धारूर घाट, होळेश्वर विद्यालय, सुडी पार्टी से मांगवडगांव, लोखंडी सावरगांव, धामणगांव, वाघळूज, साबलखेड, पांढरी, चुंबळी फाटा, मांजरसुंबा घाट, छत्रपती संभाजी महाराज चौक, पाडाशिंगी ब्रिज, नायरा पंप गेवराई, बागपिंपळगाव, मादळमोही पेट्रोलपंप, पांगर बावडी आदि शामिल हैं।

डॉ. धवले ने कहा कि जब रस्ते खराब थे, हादसे हो रहे थे, तब ये नेता मौन थे। लेकिन जैसे ही नगरपालिका और स्थानीय स्वराज्य संस्था के चुनाव नज़दीक आए, सभी श्रेय लेने की होड़ में लग गए हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या इन सैकड़ों जानों की कोई ज़िम्मेदारी नहीं है? अगर समय रहते सड़कें दुरुस्त होतीं, दिशा सूचक बोर्ड लगाए जाते, सुरक्षा उपाय किए जाते, तो शायद ये जानें बच सकती थीं।

सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. गणेश धवले ने स्पष्ट रूप से कहा कि अब समय है कि नेता केवल श्रेय न लें, बल्कि इन हादसों की नैतिक और राजनीतिक ज़िम्मेदारी भी लें।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com